

हायर सेकेण्डरी परीक्षा, दिसम्बर-2021

आदर्श उत्तर

140

विषय : अर्थशास्त्र

Subject: ECONOMICS

-
- उ.1 सही विकल्प लिखिए – (5×1=5)
- (i) (द) उपरोक्त सभी
 - (ii) (ब) स्थानापन्न वस्तुएं
 - (iii) (अ) पूर्ति
 - (iv) (द) उपरोक्त सभी
 - (v) (स) (अ) एवं (ब) दोनों
- उ.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति – (5×1=5)
- (i) पूर्ण प्रतियोगिता
 - (ii) सेवा क्षेत्र
 - (iii) जे. बी. से
 - (iv) न्यून
 - (v) मंहगी
- उ.3 सत्य/असत्य लिखिये – (5×1=5)
- (i) सत्य
 - (ii) सत्य
 - (iii) असत्य
 - (iv) सत्य
 - (v) सत्य
- उ.4 सही जोड़ी बनाइये – (5×1=5)
- (i) (b) केवल दृश्य मंदे
 - (ii) (a) देशों के मध्य
 - (iii) (d) आयकर
 - (iv) (c) उत्पादक शुल्क
 - (v) (f) व्यय का आय से अधिक होना

उ.5 एक वाक्य में उत्तर

(5×1=5)

- (i) सरकार की अनुमानित आय = सरकार की अनुमानित व्यय
- (ii) सरकार की आय तथा व्यय का ब्यौरा (एक वर्ष में)
- (iii) समान्तर माध्य
- (iv) बहुलक
- (v) तुलनात्मक

उ.6 **मांग का नियम** – अन्य बातें समान रहने पर किसी वस्तु की कीमत बढ़ने पर उसकी मांग घटती है तथा कीमत घटने पर मांग बढ़ती है।

(2)

अथवा

उ.6 **पूर्ति का नियम** – अन्य बातें समान रहने पर वस्तु की कीमत बढ़ने पर पूर्ति बढ़ जाती है तथा कीमत कम होने पर पूर्ति कम हो जाती है।

उ.7 **प्रतिव्यक्ति आय** – किसी एक वर्ष की राष्ट्रीय आय को उस वर्ष की जनसंख्या से भाग देने पर प्रतिव्यक्ति आय प्राप्त हो जाती है।

(2)

अथवा

उ.7 **राष्ट्रीय आय** – एक वर्ष में उत्पादित समान वस्तुओं तथा सेवाओं के मूल्य का योग होती है जिसमें से घिसावट व्यय को घटा दिया जाता है तथा विदेश से प्राप्त शुद्ध आय को जोड़ दिया जाता है।

उ.8 **पूर्ण रोजगार** – से आशय उस स्थिति से होता है जिसके उन सभी व्यक्तियों को जो काम करने की योग्यता एवं सामर्थ्य रखते हैं तथा काम करना चाहते हैं। प्रचलित मजदूरी दर पर रोजगार उपलब्ध हो जाता है।

(2)

अथवा

उ.8 **अपूर्ण रोजगार** – की दशा उस समय विद्यमान होती है जब प्रभावपूर्ण मांग वृद्धि उत्पादन एवं रोजगार में वृद्धि करती है। इसके अनैपचारिक बेरोजगारी विद्यमान रहती है।

उ.9 **मुद्रा** – एक ऐसी वस्तु है जो विनिमय के माध्यम, मूल्य के मापक तथा मूल्य संचय के साधन के रूप में स्वतंत्र तथा सामान्य रूप से लोगों द्वारा स्वीकार की जाती है।

(2)

अथवा

उ.9 **व्यापारिक बैंक** – से आशय उन बैंकों से होता है जिनकी स्थापना इण्डियन कंपनीज एक्ट के अन्तर्गत की गयी है और सभी साधारण बैंकिंग को सम्पन्न करते हैं।

उ.10 निर्देशांक की सीमाएं –

(2)

- (1) पूर्णतया विश्वसनीय न होना
- (2) सीमित उपयोग
- (3) विभिन्न समय के तुलना संबंधी कठिनाई

अथवा

उ.10 प्रमाप विचलन के गुण –

- (1) निश्चित माप
- (2) यह निर्देशन के परिवर्तनों से अधिक प्रभावित नहीं होता
- (3) चरम मूल्यों को अधिक महत्त्व देता है।

उ.11 मांग की लोच को प्रभावित करने वाले तत्व –

(3)

- (1) वस्तु की प्रकृति
- (2) स्थानापन्न वस्तुएं
- (3) वस्तु के वैकल्पिक उपयोग
- (4) उपभोग स्थगम
- (5) व्यय की राशि

अथवा

उ.11 पूर्ति की लोच को प्रभावित करने वाले तत्व –

- (1) वस्तु की प्रवृत्ति
- (2) उत्पादन लागत
- (3) भावी कीमतों में परिवर्तन की आशा
- (4) प्राकृतिक अवरोध

उ.12 स्थानापन्न वस्तुएं – वे वस्तुएं हैं जो एक दूसरे के बदले एक ही उद्देश्य के लिए प्रयोग की जा सकती हैं। उदाहरण – पेप्सी कोला और कोका कोला, चाय तथा काफी।

(3)

अथवा

उ.12 पूरक वस्तुएं – वे वस्तुएं होती हैं जो किसी आवश्यकता को संयुक्त रूप से संतुष्ट करती हैं। उदाहरण – पेन तथा स्याही, कार तथा पेट्रोल।

उ.13 माध्य विचलन के दोष

(3)

- (1) गणना में (+) तथा (–) के चिन्हों की उपेक्षा की गति हो।
- (2) इसका उपयोग अन्य बीजगणितीय गणना में नहीं किया जा सकता।

अथवा

उ.13 अपकीरण के उद्देश्य –

- (1) माध्य से औसत दूरी ज्ञात करना
- (2) माध्य की विश्वसनीयता का अनुमान
- (3) श्रेणी की रचना का ज्ञान
- (4) दो या अधिक श्रेणियों की तुलना

उ.14 निर्देशांक का महत्त्व –

(3)

- (1) मुद्रा के मूल्य की माप
- (2) व्यापारी के लिए उपयोगिता
- (3) उत्पादन के बारे में जानकारी

अथवा

उ.14 बहुलक के गुण –

- (1) सरल है
- (2) चरम मूल्यों का सीमांत इकाइयों का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।
- (3) रेखाचित्र संभव
- (4) सर्वोत्तम प्रतिनिधित्व करने वाला मूल्य है।

उ.15 व्यष्टि की चार विशेषताएं –

(4)

- (1) वैयक्तिक इकाइयों का अध्ययन
- (2) पूर्ण रोजगार की मान्यता
- (3) छोटे भागों का अध्ययन
- (4) कीमत नितान्त

अथवा

उ.15 समष्टि की विशेषताएं –

- (1) व्यापक दृष्टिकोण
- (2) व्यापक विश्लेषण
- (3) आय बेरोजगार सिद्धांत
- (4) परस्पर निर्भरता

उ.16 पूर्ण प्रतियोगिता की चार विशेषताएं –

(4)

- (1) क्रेताओं एवं विक्रेताओं की अधिक संख्या
- (2) समरूप वस्तु
- (3) बाजार का पूर्ण ज्ञान
- (4) यातायात लागत न होना

अथवा

उ.16 बाजार की विशेषताएं –

- (1) एक वस्तु
- (2) एक क्षेत्र
- (3) क्रेता तथा विक्रेता
- (4) निकट का संपर्क

उ.17 मुद्रा का महत्त्व –

- (1) उपभोक्ता को लाभ
- (2) उत्पादक को लाभ
- (3) श्रम विभाजन तथा वितरण सम्भव
- (4) पूंजी की गतिशीलता में सहायक

(4)

अथवा

उ.17 RBI के वर्णित कार्य

- (1) ऋण तथा अग्रिम प्रदान न करना
- (2) जमाओं तथा चालू खातों पर स्थान न देना।
- (3) मांग पर देय विपत्रों पर के अतिरिक्त अन्य विपत्रों को आहरित करना।
- (4) बैंकिंग तथा अन्य कंपनी के अंशों को क्रय करना।

उ.18 राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय बाजार में अंतर

(4)

राष्ट्रीय बाजार

- (1) संकुचित है
- (2) देश के भीतर संभव है
- (3) क्रेता विक्रेता एक देश के अंदर फैले होते हैं
- (4) विनिमय किया क्रय तथा विक्रय कहलाती है।

अन्तराष्ट्रीय बाजार

- (1) व्यापक अंग में होता है।
- (2) दो या दो से अधिक देशों के बीच होता है।
- (3) क्रेता एवं विक्रेता विभिन्न देशों में फैले होते हैं।
- (4) विनिमय क्रिया आयात तथा निर्यात कहलाती है।

अथवा

उ.18 भुगतान संतुलन एवं व्यापार संतुलन में अंतर

भुगतान संतुलन

- (1) दृश्य तथा अदृश्य मदे शामिल
- (2) अधिक व्यापक धारणा
- (3) भुगतान संतुलन अधिक महत्वपूर्ण
- (4) भुगतान संतुलन सदैव संतुलित रहता है
- (5) अन्तर्राष्ट्रीय लेन देन का ब्यौरा है

व्यापार संतुलन

- (1) केवल दृश्य मदे शामिल
- (2) संकुचित धारणा
- (3) कम महत्वपूर्ण होता है
- (4) संतुलित या असंतुलित हो सकता है
- (5) राष्ट्रीय लेन देन का ब्यौरा है

उ.19 अच्छी कर प्रणाली के गुण –

- | | |
|----------------------------------|---------------------------|
| (1) अधिकतम सामाजिक लाभ पर आधारित | (2) न्यूनतम सामूहिक त्याग |
| (3) करारोपण के नियमों के अनुकूल | (4) लचीलापन |
| (5) संतुलित | (6) विभिन्नता |

(4)

अथवा

उ.19 प्रत्यक्ष कर के गुण –

- | | |
|-----------------------------|---------------------|
| (1) कर देय क्षमता के अनुकूल | (2) निश्चितता |
| (3) मितव्ययता | (4) उत्पादकता |
| (5) लोचपूर्ण | (6) नागरिक चेतन्यता |

उ.20 माध्य विचलन प्रमाप विचलन में अंतर –

माध्य विचलन

- (1) (+), (–) चिन्हों का प्रयोग नहीं किया जाता
- (2) कम विश्वसनीयता है
- (3) इसकी गणना, माध्य, माध्यिका बहुलक किसी से भी की जा सकती है
- (4) प्रयोग बीजगणितीय गणना
- (5) गणना सरल है

प्रमाप विचलन

- (1) गणना में (+), (–) चिन्हों का प्रयोग किया जाता है।
- (2) अधिक विश्वसनीयता है
- (3) गणना केवल माध्य से की जा सकती है।
- (4) बीजगणितीय गणना संभव
- (5) गणना करना जटिल है

(4)

अथवा

उ.20 प्रमाप विचलन के दोष –

- (1) गणना करना कठिन है
- (2) चरम मूल्यों को अधिक महत्व देता है
- (3) समझने में कठिन है
- (4) उपयोग करने के लिये बीजगणित का ज्ञान आवश्यक होता है

उ.21 सह संबंध के प्रकार

- | | |
|---------------------|-----------------------|
| (1) धनात्मक सहसंबंध | (2) ऋणात्मक सहसंबंध |
| (3) रेखीय सहसंबंध | (4) वक्ररेखीय सहसंबंध |
| (5) पूर्ण सहसंबंध | (6) आंशिक सहसंबंध |

(4)

अथवा

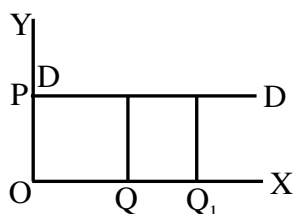
उ.21 सहसंबंध का महत्त्व

- (1) दो चरों के बीच संबंध जानने में सहायक
- (2) दो चर के मूल्य के आधार पर दूसरे चर के मूल्य का अनुमान लगाने में सहायक
- (3) शोध एवं ज्ञान के क्षेत्र में सहायक
- (4) व्यावसायिक निर्णय लेने में सहायक
- (5) आर्थिक व्यवहारों को समझने में सहायक

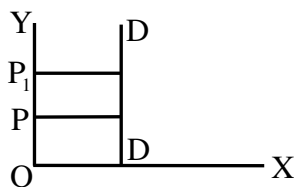
उ.22 मांग की लोच की विभिन्न श्रेणियां –

(5)

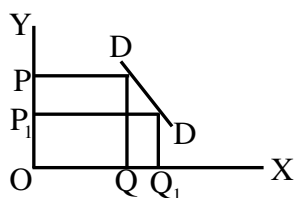
- (1) पूर्णतया लोचदार मांग



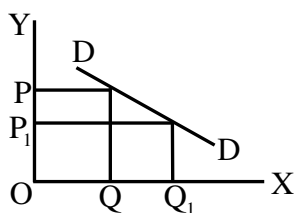
- (2) पूर्णतया बेलोचदार मांग



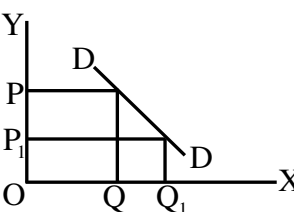
- (3) इकाई लोचदार मांग



- (4) अत्यधिक लोचदार मांग



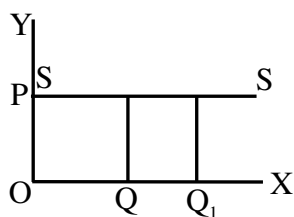
- (5) इकाई से कम लोचदार मांग



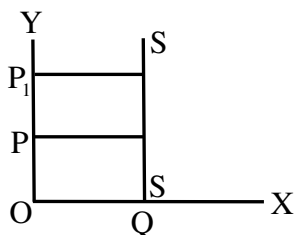
अथवा

उ.22 पूर्ति की लोच की विभिन्न श्रेणियां –

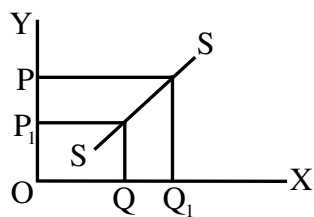
(1) पूर्णतया लोचदार पूर्ति



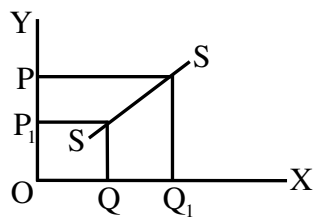
(2) पूर्णतया बेलोचदार पूर्ति



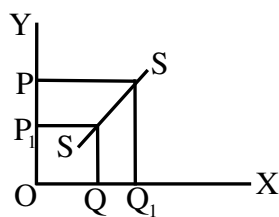
(3) लोचदार पूर्ति



(4) अत्यधिक लोचदार पूर्ति



(5) इकाई से कम लोचदार पूर्ति



उ.23 राष्ट्रीय आय में धीमी गति से वृद्धि के कारण –

(5)

- | | |
|------------------------------|----------------------------------|
| (1) पूंजी की कमी | (2) तकनीकी पिछड़ापन |
| (3) कृषि पर आधारित | (4) जनसंख्या में तीव्र वृद्धि |
| (5) अपर्याप्त औद्योगिक विकास | (6) आय व सम्पत्ति का असमान वितरण |

अथवा

उ.23 राष्ट्रीय आय में वृद्धि के उपाय

- | | |
|------------------------------------|--------------------------------|
| (1) अनुकूल पृष्ठ भूमि का निर्माण | (2) पूंजी निर्माण में वृद्धि |
| (3) उपर्युक्त निवेश ढांचा | (4) धन व आय के वितरण में सुधार |
| (5) आधारिक सामाजिक संरचना का विकास | |

उ.24 रोजगार नितान्त के प्रमुख बिन्दु – प्रो. किन्स के अनुसार

(5)

- (1) रोजगार का निर्धारण प्रभाव पूर्ण मांग पर आधारित
- (2) प्रभावपूर्ण मांग – (1) दो बिन्दुओं पर आधारित (2) समग्र मांग (3) समग्र पूर्ति
- (3) प्रभावपूर्ण मांग = समग्र मांग = समग्र पूर्ति
- (4) प्रभावपूर्ण मांग में वृद्धि रोजगार में वृद्धि करेगा।
- (5) प्रभावपूर्ण मांग में कमी रोजगार में कमी होगी।
- (6) प्रभावपूर्ण मांग में वृद्धि रोजगार वृद्धि के लिए आवश्यक होती है

अथवा

उ.24 न्यून मांग के कारण

- | | |
|----------------------------|------------------------|
| (1) मुद्रा की मांग में कमी | (2) बैंक दर में वृद्धि |
| (3) जनता की आय में कमी | (4) बेरोजगारी |
| (5) सार्वजनिक व्यय में कमी | (6) करों में वृद्धि |

उ.25 सरकारी बजट का महत्त्व

(5)

- | | |
|-----------------------------|-------------------------|
| (1) हिसाब देयता में महत्त्व | (2) आर्थिक नियंत्रण |
| (3) राजकोषीय उपकरण | (4) आर्थिक स्थिरता |
| (5) प्रशासकीय कुशलता | (6) योजनाओं से सम्बंधित |

अथवा

उ.25 सार्वजनिक व्यय के प्रकार

- | | |
|-------------------|----------------------|
| (1) राजस्व व्यय | (2) पूंजीगत व्यय |
| (3) योजनागत व्यय | (4) गैर योजनागत व्यय |
| (5) विकासकीय व्यय | (6) गैर विकासीय व्यय |

उ.26 मध्याका की गणना

(5)

S.N	पद	आरोही क्रम
1	5	5
2	8	8
3	11	9
4	12	11
5	9	12
6	14	13
7	20	14
8	15	15
9	13	20

$$m = \frac{n+1}{2} \text{ वे पद का मान}$$

$$m = \frac{9+1}{2} \text{ 9 वे पद का मान}$$

$$= 12$$

$$\text{मध्याका} = 12$$

$$\text{उत्तर} = 12$$

अथवा

उ.26 मध्याका की गणना

क्र.	पद	आरोही क्रम
1	6	5
2	9	6
3	12	9
4	19	11
5	26	12
6	17	15
7	23	17
8	5	18
9	11	19
10	18	23
11	15	26

$$m = \frac{n+1}{2} \text{ वे पद का मान}$$

$$m = \frac{11+1}{2} \text{ 6 वे पद का मान}$$

$$= 15$$

$$\text{मध्याका} = 15$$

$$\text{उत्तर} = 15$$

कुल प्रश्नों की संख्या : 26
Total No. of Questions: 26

कुल पृष्ठों की संख्या : 08
Total No. of Pages: 08

हायर सेकेण्डरी परीक्षा, दिसम्बर-2021

140

विषय : अर्थशास्त्र

Subject: ECONOMICS

(Hindi & English Versions)

समय : 03 घण्टे
Time: 03 Hours

पूर्णांक : 100
Maximum Marks: 100

निर्देश :-

- (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- (ii) प्रश्न क्रमांक 01 से 05 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का है।
- (iii) प्रश्न क्रमांक 06 से 26 तक आंतरिक विकल्प दिये गये हैं।
- (iv) प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न पर 02 अंक हैं। शब्द सीमा 30 शब्द है।
- (v) प्रश्न क्रमांक 11 से 14 तक प्रत्येक पर 03 अंक हैं। शब्द सीमा 75 शब्द है।
- (vi) प्रश्न क्रमांक 15 से 21 तक प्रत्येक पर 04 अंक हैं। शब्द सीमा 120 शब्द है।
- (vii) प्रश्न क्रमांक 22 से 26 तक प्रत्येक पर 05 अंक हैं। शब्द सीमा 150 शब्द है।

Instructions:

- (i) All Questions are compulsory.
- (ii) Question No. 01 to 05 are objective type Questions. Each Question carries 05 marks.
- (iii) Internal options are given in question No. 06 to 26.
- (iv) Question No. 06 to 10 carries 02 marks each. Word limit is 30 word.
- (v) Question No. 11 to 14 carries 03 marks each. Word limit is 75 word.
- (vi) Question No. 15 to 21 carries 04 marks each. Word limit is 120 word.
- (vii) Question No. 22 to 26 carries 05 marks each. Word limit is 150 word.

- (i) समष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत किसका अध्ययन किया जाता है?
 (अ) राष्ट्रीय आय (ब) पूर्ण रोजगार
 (स) कुल उत्पादन (द) उपरोक्त सभी
- (ii) ऐसी वस्तुएं जिनका एक-दूसरे के बदले प्रयोग किया जाता है, ... कहलाती हैं।
 (अ) पूरक वस्तुएं (ब) स्थानापन्न वस्तुएं
 (स) आरामदायक वस्तुएं (द) इनमें से कोई नहीं
- (iii) वस्तु की उस मात्रा को क्या कहते हैं, जो विक्रेता निश्चित समय तथा कीमत पर बाज़ार में बेचने को तैयार है?
 (अ) पूर्ति (ब) मांग
 (स) पूर्ति की लोच (द) मांग की लोच
- (iv) वस्तु की पूर्ति का निर्धारण कारक है –
 (अ) वस्तु की कीमत (ब) सम्बंधित वस्तुओं की कीमत
 (स) उत्पादन के साधन की कीमत (द) उपरोक्त सभी
- (v) संतुलन कीमत के निर्धारक घटक कौन से हैं?
 (अ) वस्तु की मांग (ब) वस्तु की पूर्ति
 (स) (अ) तथा (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं

Multiple choice questions -

- (i) Which of the following is studied under Macro Economics?
 (a) National Income (b) Full Employment
 (c) Total Production (d) All of the above
- (ii) Goods, which can alternatively be used are called -
 (a) Complementary Goods (b) Substitute Goods
 (c) Comfort Goods (d) None of these
- (iii) The quantity of goods which the seller is ready to sell in a market at fixed price and time is called -
 (a) supply (b) demand
 (c) elasticity of supply (d) elasticity of demand
- (iv) Determinating factor of supply of goods is -
 (a) price of goods (b) price of related goods
 (c) price of factor of production (d) All of the above
- (v) Which factor determines equilibrium price?
 (a) Demand for commodity (b) Supply of commodity
 (c) Both (a) and (b) (d) None of the above

प्र.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(5×1=5)

- (i) बाज़ार में, फर्म कीमत प्राप्तकर्ता होती है।
- (ii) तृतीयक क्षेत्र क्षेत्र के नाम से जाना जाता है।
- (iii) बाज़ार का नियम ने दिया।
- (iv) मांग को ठीक करने के लिए सरकार को अधिक सार्वजनिक व्यय करना चाहिए।
- (v) अतिरेक मांग की दशा में केन्द्रीय बैंक को ऋण नीति अपनानी चाहिए।

Fill in the blanks -

- (i) In market, firm is price taker.
- (ii) Tertiary sector is known as sector.
- (iii) Law of Market is given by
- (iv) To correct demand, Government should make more public expenditure.
- (v) In situation of excess demand, the central bank should adopt Monetary Policy.

प्र.3 निम्नलिखित में सत्य/असत्य लिखिए –

(5×1=5)

- (i) वस्तु विनिमय प्रणाली में इच्छाओं का दोहरा संयोग आवश्यक है।
- (ii) मूल्य मापन मुद्रा का प्राथमिक कार्य है।
- (iii) व्यावसायिक बैंक नोट निर्गमन करते हैं।
- (iv) केन्द्रीय बैंक, बैंकों का बैंक होता है।
- (v) लेखा की दृष्टि से भुगतान शेष सदैव सन्तुलन की दशा में रहता है।

Write True/ False of the Following.

- (i) Double coincidence of wants is required in Barter system.
- (ii) Measure of value is the primary function of Money.
- (iii) Commercial Banks issue currency notes.
- (iv) The Central Bank is the bank of the banks.
- (v) From accounting point of view the balance of payment is always balanced.

प्र.4 सही जोड़ी बनाइए –

(5×1=5)

(अ)

(ब)

- | | |
|---------------------------------|------------------------------|
| (i) व्यापार संतुलन | (a) देशों के मध्य |
| (ii) विदेशी विनिमय की प्रक्रिया | (b) केवल दृश्य मदें |
| (iii) प्रत्यक्ष कर | (c) उत्पादन शुल्क |
| (iv) अप्रत्यक्ष कर | (d) आयकर |
| (v) असंतुलित बजट | (e) व्यय का आय के बराबर होना |
| | (f) व्यय का आय से अधिक होना |

Match the following columns -

(A)

(B)

- | | |
|----------------------------------|---------------------------|
| (i) Balance of trade | (a) Between the countries |
| (ii) Process of Foreign Exchange | (b) Only visible item |
| (iii) Direct tax | (c) Excise Duty |
| (iv) Indirect tax | (d) Income Tax |
| (v) Unbalanced budget | (e) Expenditure = Income |
| | (f) Expenditure > Income |

प्र.5 एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(5×1=5)

- (i) संतुलित बजट किसे कहते हैं?
- (ii) बजट क्या है?
- (iii) केन्द्रीय प्रवृत्ति की सर्वश्रेष्ठ माप क्या है?
- (iv) समंक माला में सर्वाधिक बार आने वाले मूल्य को क्या कहते हैं?
- (v) निर्देशांक किस प्रकार के अध्ययन को संभव बनाते हैं?

Answer in one sentence -

- (i) What is Balanced Budget?
- (ii) What is Budget?
- (iii) What is the best measure of central tendency?
- (iv) The most frequent value in the series is called?
- (v) What type of study is possible with the help of index number?

- प्र.6 मांग का नियम लिखिए। (2)
Write the law of demand.

अथवा / OR

पूर्ति का नियम लिखिए।
Write the law of supply.

- प्र.7 प्रति व्यक्ति आय किसे कहते हैं? (2)
What is per capita income?

अथवा / OR

राष्ट्रीय आय किसे कहते हैं?
What is National Income?

- प्र.8 पूर्ण रोजगार का अर्थ लिखिए। (2)
Write the meaning of full employment.

अथवा / OR

अपूर्ण रोजगार किसे कहते हैं?
What is the meaning of underemployment?

- प्र.9 मुद्रा किसे कहते हैं? (2)
What is Money?

अथवा / OR

व्यापारिक बैंक किसे कहते हैं?
What is Commercial Bank?

- प्र.10 निर्देशांक की कोई दो सीमाएँ लिखिए। (2)
Write any two limitations of index number.

अथवा / OR

प्रमाण विचलन के कोई दो गुण लिखिए।
Write any two merits of standard deviation.

- प्र.11 मांग की लोच को प्रभावित करने वाले तीन तत्वों का समझाइए। (3)
Explain any three factors affecting the Elasticity of Demand.

अथवा / OR

पूर्ति की लोच को प्रभावित करने वाले तीन तत्वों को समझाइए।

Explain any three factors affecting the Elasticity of Supply.

प्र.12 स्थानापन्न वस्तुएं किसे कहते हैं? दो उदाहरण दीजिए। (3)

What are substitute goods? Give two examples.

अथवा / OR

पूरक वस्तुएं किसे कहते हैं? दो उदाहरण दीजिए।

What are complementary goods? Give two examples.

प्र.13 माध्य विचलन के कोई तीन दोष लिखिए। (3)

Write any three demerits of mean deviation.

अथवा / OR

अपकिरण के कोई तीन उद्देश्य लिखिए।

Write any three objectives of Dispersion.

प्र.14 निर्देशांक का महत्त्व लिखिए। (कोई तीन) (3)

Write the importance of index number. (Any three)

अथवा / OR

बहुलक के कोई तीन गुण लिखिए।

Write any three merits of mode.

प्र.15 व्यक्ति अर्थशास्त्र की कोई चार विशेषताएँ लिखिए। (4)

Write any four characteristics of Micro Economics.

अथवा / OR

समष्टि अर्थशास्त्र की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।

Write any four characteristics of Macro Economics.

प्र.16 पूर्ण प्रतियोगिता की चार विशेषताएँ लिखिए। (4)

Write any four characteristics of perfect competition.

अथवा / OR

बाजार की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।

Write any four characteristics of market.

- प्र.17 मुद्रा के कोई चार महत्त्व लिखिए। (4)
Write any four importance of money.

अथवा / OR

रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया के कोई चार वर्जित कार्य लिखिए।

Write any four prohibited functions of Reserve Bank of India.

- प्र.18 राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में कोई चार अंतर बताइए। (4)
State any four difference between National and International Market.

अथवा / OR

भुगतान संतुलन तथा व्यापार संतुलन में कोई चार अंतर लिखिए।

Write any four difference between balance of payment and balance of trade.

- प्र.19 एक अच्छी कर-प्रणाली की कोई चार विशेषताएँ लिखिए। (4)
Write any four characteristics of a Good Tax System.

अथवा / OR

प्रत्यक्ष कर के चार गुण लिखिए।

Write four merits of direct tax.

- प्र.20 माध्य विचलन एवं प्रमाप विचलन में कोई चार अंतर लिखिए। (4)
State any four differences between mean deviation and standard deviation.

अथवा / OR

प्रमाप विचलन के कोई चार दोष लिखिए।

Write any four demerits of standard deviation.

- प्र.21 सहसंबंध के चार प्रकारों को समझाइए। (4)
Explain four types of correlation.

अथवा / OR

सहसंबंध के चार महत्त्व को समझाइए।

Explain four importance of correlation.

- प्र.22 मांग की कीमत लोच की विभिन्न श्रेणियों की व्याख्या कीजिए। (5)
Explain the various types of price elasticity of demand.

अथवा / OR

पूर्ति की कीमत लोच की विभिन्न श्रेणियों की व्याख्या कीजिए।

Explain the various types of price elasticity of supply.

प्र.23 भारत में राष्ट्रीय आय के धीमी गति से वृद्धि के पाँच कारण लिखिए। (5)

Write the five causes to slow growth of National Income in India.

अथवा / OR

आय विधि द्वारा राष्ट्रीय आय की गणना करते समय कौन-कौन सी सावधानियां रखनी चाहिए?

What precautions must be taken in the estimation of National Income with the help of income method?

प्र.24 प्रो. कीन्स के रोजगार सिद्धान्त के मुख्य बिन्दु लिखिए। (5)

Write the main points of Keynes's Theory of Employment.

अथवा / OR

न्यून मांग के पांच कारण लिखिए।

Write five causes of Deficit Demand.

प्र.25 सरकारी बजट का महत्त्व बताइए। (कोई पांच) (5)

State the importance of Government Budget. (Any five)

अथवा / OR

सार्वजनिक व्यय के पांच प्रकारों का वर्णन कीजिए।

Explain five types of Public Expenditure.

प्र.26 निम्नलिखित आँकड़ों से माध्यिका ज्ञात कीजिए – (5)

क्रमांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9
X -	5	8	11	12	9	14	20	15	13

Calculate median from the following data -

S.N -	1	2	3	4	5	6	7	8	9
X -	5	8	11	12	9	14	20	15	13

अथवा / OR

निम्नलिखित पदों से माध्यिका ज्ञात कीजिए –

X – 6, 9, 12, 19, 26, 17, 23, 5, 11, 18, 15

Find the median from the following terms -

X – 6, 9, 12, 19, 26, 17, 23, 5, 11, 18, 15
